डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग

पाठ्यक्रम

परास्नातक

सत्र: 2024-25

हिंदी (भाषा और साहित्य)

(नई शिक्षा नीति 2020)

(Dr. Surendra Nath)
(समन्वयक)

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम

बी० ए०चतुर्थ वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

Structure of Syllabus Developed By			
Name of BOS Convenor / BOS Member	Designation	Department	College/University
डॉ० सुरेन्द्र मिश्र	समन्यवक	हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग	डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय , अयोध्या
प्रो० हरीश कुमार शर्मा	विषय विशेषज्ञ	हिन्दी विभाग	सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु , सिद्धार्थनगर उत्तर प्रदेश
प्रो० श्रीप्रकाश शुक्ला	विषय विशेषज्ञ	हिन्दी विभाग	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय , वाराणसी
प्रो० पवन अग्रवाल	विषय विशेषज्ञ	हिन्दी विभाग	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
सुमन लाल	सदस्य	हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग	डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय , अयोध्या

GroupCode		Course Title	Credit	T/P	Evaluation	
					CIE	ETE
A	B	C	D	E	F	G
बी० ए०चतुर्थ वर्ष -सातवाँ सेमेस्टर/ एम०ए० प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)						
A560701T	CORE	भारतीय ज्ञान परंपरा में भाषा का विकास	5	T	25	75
A560702T	CORE	हिन्दी साहित्य का इतिहास -आदिकाल से रीतिकाल तक	5	T	25	75
A560703T	CORE	हिन्दी साहित्य का इतिहास - आधुनिक काल	5	T	25	75
A560704T	CORE	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	5	T	25	75
A560705T	Elective (Select any One)	1. साहित्य एवं सिनेमा	4	T	25	75
A560706T		2. गीत एवं गज़ल	4	T	25	75
A560707P	परियोजना कार्य(शोधात्मक)	एकांकी , नुक्कड़ नाटक , लोकगीत में से किसी एक पर या समूह में परियोजना	4	P	50	50
बी०ए०चतुर्थ वर्ष (आठवा सेमेस्टर) /एम० ए०प्रथम वर्ष - (द्वितिय सेमेस्टर)						
A560801T	CORE	रीतिकालीन काव्य	5	T	25	75
A560802T	CORE	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत एवं साहित्यालोचन	5	T	25	75
A560803T	CORE	आधुनिक गद्य निबंध एवं नाटक	5	T	25	75
A560804T	CORE	आधुनिक काव्य छायावाद तक	5	T	25	75
A560805P	परियोजना कार्य	किसी पुस्तक की समीक्षा	4	P	50	50

पाँचवाँ वर्ष -(नौवाँ सेमेस्टर) /एम० ए० द्वितिय वर्ष - (तृतीय सेमेस्टर)						
A560901T	CORE	पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं प्रमुख वाद	5	T	25	75
A560902T	CORE	आधुनिक गद्य: उपन्यास एवं कहानी	5	T	25	75
A560903T	CORE	आधुनिक काव्य : छायावादोत्तर काव्य	5	T	25	75
A560904T	CORE	हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक	5	T	25	75
A560905P	परियोजना कार्य	पटकथा लेखन , सम्पादकीय लेखन , साक्षात्कार लेखन में से किसी एक पर परियोजना	4	P	50	50
पाँचवाँ वर्ष -(दसवाँ सेमेस्टर) /एम० ए० द्वितिय वर्ष - (चतुर्थ सेमेस्टर)						
A561001T	CORE	शोध प्राविधि	5	T	25	75
A561002T	CORE	भारतीय साहित्य	5	T	25	75
A561003T	CORE	तुलसीदास : रामचरितमानस	5	T	25	75
A561004T	CORE	अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी का रचनात्मक साहित्य	5	T	25	75
A561005P	DISSERTATION	लघु शोध प्रबंध	4	P	50	50

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. हिन्दी भाषा एवं साहित्य की सम्यक् जानकारी प्राप्त करना ।
2. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के अतीत, वर्तमान एवं भविष्य की परख करना ।
3. चिंतन के क्षितिज का विस्तार करना ।
4. भाषिक समृद्धि एवं अभिव्यक्ति-कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करना ।
5. पाठ्यक्रम को रोजगारोन्मुख बनाना।
6. आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास करना।
7. रचनात्मक शक्ति एवं लेखन कला का विकास करना।
8. साक्षात्कार,अभिव्यक्ति एवं अनुभूति कौशल का विकास करना ।
9. पारम्परिक क्षेत्र के अतिरिक्त दूसरे क्षेत्र के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना ।
10. शोध प्रविधि में निपुणता एवं गुणवत्ता का समावेश करना ।

प्रत्येक भाषा-साहित्य एवं देश का अपना इतिहास होता है। यह अनेक कालखंडों में विभाजितहोता है। प्रत्येक कालखंड की अपनी-अपनी, परिस्थितियाँ होती हैं। राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक,धार्मिक आंतरिक एवं बाह्य पर्यावरणीय आदि वातावरण होते हैं। इतिहास का अध्ययन इन्हीं प्राचीनभाषा-साहित्य, सभ्यता, संस्कृति आदि को जानने के लिए आवश्यक होता है वहीं, सृजनात्मक साहित्यमानवमूल्यों में अभिवृद्धि कर व्यक्ति को संवेदनशील बनाकर, उसमें भाषिक दक्षता प्रदान करता है,सौन्दर्यबोध उत्पन्न करता है तथा देश की कामकाजी व्यवस्था के अनुकूल बनाता है। हिंदी आज नसिर्फ राष्ट्रीय गुणवत्ता और संस्कार-संस्कृति की भाषा है वरन् विश्वग्राम की एक महती रोजगारोन्मुखभाषा भी है, जिसे जानने-समझने और अपनाने वालों की संख्या वैश्विक स्तर पर अव्वल है। नई शिक्षानीति का उद्देश्य है विद्यार्थियों के प्रतिभा को निखारना, जिससे वे शिक्षा प्राप्त कर अपनी सम्पूर्णप्रतिभा के साथ देश व समाज की सेवा कर सकने के साथ रोजगार पा सके। इसी उद्देश्य की पूर्तिहेतु इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। अन्त में -

कोटि-कोटि कंठों की भाषा, जनमन की मुखरित अभिलाषा ।
हिन्दी है पहचान हमारी, हिन्दी हम सबकी परिभाषा ।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (सातवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र :भारतीय ज्ञान परंपरा में भाषा का विकास

प्रथम इकाई : भारतीय भाषाशास्त्रीय चिंतन

अ) वेद, शिक्षा, प्रतिशाख्य, निघंटु, निरुक्त, आ) मुनित्रय (पाणिनी, कात्यायन, पतंजलि) का भाषिक चिंतन

इ) कौमुदी -ग्रंथों की परंपरा के भट्टोजीदीक्षित, नागेश भट्ट, वरदराज

द्वितीय इकाई : आधुनिक युग में भाषाशास्त्री

अ) भारतीय भाषाशास्त्री, आ) संस्कृत भाषा पर कार्य करने वाले विद्वान्

इ) हिन्दी भाषा पर कार्य करने वाले विद्वान्

तृतीय इकाई:1. काल विभाजन

अ) प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक संस्कृत कि ध्वनियाँ, मूल भारोपीय और वैदिक ध्वनियों मेंअंतर, वैदिक भाषा कि विशेषताएं, लौकिक संस्कृत और संस्कृत भाषा कि विशेषताएं, समानताएंएवं विषमतायें

आ) मध्यकालीन भारतीय भाषाएँ : पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी,उसकी विशेषताएं

इ) आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और वर्गीकरण

2. हिन्दी भाषा का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी कि उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी बिहारी तथा पहाड़ी और उसकी बोलियाँ, खड़ी बोली, ब्रज और अवधी कि विशेषताएं ।

चतुर्थ इकाई: भाषा - परिभाषा स्वरुप एवं विशेषताएं, भाषा उत्पति विषयक सिद्धांत, भाषा विज्ञानंअध्ययन कि परम्पराएँ | ध्वनी विज्ञान, स्वनिम विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञानं औरअर्थ विज्ञान ।

पंचम इकाई : हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, संपर्क भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, राज भाषा केरूप में हिन्दी देवनागरी लिपि: उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि कि वैज्ञानिकता

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1- भाषा- विज्ञान : डॉ० भोलानाथ तिवारी।

2- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ० उदय नारायण तिवारी।

3- भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ० कपिलदेव द्विवेदी ।

4- हिन्दी भाषा : डॉ० भोलानाथ तिवारी ।

5-भाषा-विभास : डॉ० रामशंकर त्रिपाठी ।

6- भारतीय लिपियों का विकास : गुणाकर मुले ।

7- नागरी लिपि रूप और सुधार : मोहन ब्रिज ।

8. नागरी लिपि का उद्भव और विकास : डॉ० ओमप्रकाश भाटिया ।

9- भाषा विज्ञान प्रदेय और हिन्दी भाषा : डॉ० भोलानाथ तिवारी।

10- हिन्दी भाषा का विकासात्मक इतिहास : डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना ।

11- आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ० केशवदास रूपाली।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (सातवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

द्वितिय प्रश्न पत्र :हिन्दी साहित्य का इतिहास -आदिकाल से रीतिकाल तक

प्रथम इकाई: इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, हिंदीसाहित्येतिहास काल विभाजन एवं नामकरण और सीमांकन ।

द्वितीय इकाई: आदिकाल सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आदिकालीन साहित्य की प्रमुखप्रवृतियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्यपरंपरा और पृथ्वीराजरासो,पृथ्वीराजरासो की प्रामाणिकता ।

तृतीय इकाई: भक्तिकाल प्रेरक परिस्थितियाँ, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, निर्गुण काव्य औरप्रमुख संत कवि, सूफी काव्य (प्रेमकाव्य) एवं प्रमुख सूफी कवि, प्रेमकाव्य परंपरा और मलिक मोहम्मदजायसी ।

चतुर्थ इकाई:सगुण काव्यधारा रामकाव्यधारा और प्रमुख कवि, कृष्णकाव्यधारा और प्रमुख कविभक्तिकाल : हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग ।

पंचम इकाई: रीतिकाल प्रेरक परिस्थितियाँ, नामकरण और सीमांकन, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँतथा विभिन्न काव्यधाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त) और रीतिकाल के प्रतिनिधि एवं महत्वपूर्णकवि ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1.हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन. दिल्ली

3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4. हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

5.हिंदी साहित्य का अतीत (भागएक) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी

6. हिंदी साहित्य का इतिहास -सं० डॉ नगेन्द्र, डॉ हरदयाल नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद

8. साहित्य का इतिहास-दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

10. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली

11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएंअवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (सातवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)
तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास - आधुनिक काल

प्रथम इकाई: आधुनिकता की अवधारणा एवं सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,हिंदीगद्य का विकास।

द्वितीय इकाई: भारतेन्दु युग प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि और रचनाएँ।

तृतीय इकाई: द्विवेदी युगप्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि और रचनाएँ।

चतुर्थ इकाई:छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और समकालीन कविता।

पंचम इकाई:विभिन्न गद्य विधाओं का उद्भव और विकास नाटक, एकांकी, कहानी, उपन्यास, निबंधऔर आलोचना

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहासरामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भागएक) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी
6. हिंदी साहित्य का इतिहास -सं० डॉ नगेन्द्र, डॉ हरदयाल नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
8. साहित्य का इतिहास-दर्शन-नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (सातवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य

प्रथम इकाई:रासोचंदवरदाई (शशिवृता विवाह / समय) अथवा

विद्यापति पदावली (संपादक रामकुँवर राय) प्रकाशक संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

भक्ति विषयक पद- पद सं0- 01 से 05 तक ।

श्रृंगार विषयक पद-पद सं० 13 से 21 तक ।

द्वितीय इकाई: कबीर (संपादक श्यामसुन्दर दास) परिशिष्ट-आरम्भिक 20 साखियाँ एवं 10 पद ।

तृतीय इकाई:सूरदास-भ्रमरगीत सार-(संपादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) आरम्भिक 15 पद ।

चतुर्थ इकाई:जायसीग्रंथावली (संम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्लनागरी प्रचारिणी सभा, काशी)नागमती वियोग खंडपद सं0 01 से 19 तक ।

पंचम इकाई: तुलसीदासरामचरितमानसगीता प्रेस गोरखपुर, उतरकाण्ड पद सं0 15 से 30तक ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कबीर आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कबीर साहित्य की परख आ० परशुराम चतुर्वेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. कबीर सं० डॉ० विजयेन्द्र स्नातक राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. कबीर ग्रंथावली (सटीक) डॉ० रामकिशोर शर्मा लोकभारती, इलाहाबाद
5. सूरदास डॉ० ब्रजेश्वर वर्मा लोकभारती, इलाहाबाद
6. सूरदास आ० रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. सूरसाहित्य आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल, दिल्ली
8. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य डॉ० मैनेजर पाण्डेय वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. तुलसीदास आ० रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
10. लोकवादी तुलसी डॉ० विश्वनाथ त्रिपाठी राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
11. गोसाई तुलसीदास आ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र वाणी वितान, वाराणसी
12. जायसी डॉ०विजयदेव नारायण साही हिन्दुस्तानी एकेदमी, इलाहाबाद
13. जायसी ग्रंथावली (भूमिका) आ० रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
14. रामकथा : उत्पत्ति और विकास डॉ० फादर कामिल बुल्के हिन्दी परिषद, प्रयाग
15. विद्यापति पदावली रामवृक्ष बेनीपुरी पुस्तक भंडार, पटना
16. पृथ्वीराज रासो की भाषा डॉ० नामवर सिंह राजकमल, दिल्ली
17. भक्ति काव्ययात्रा डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती, इलाहाबाद
18. रामचरितमानस में रस योजना डॉ० जंग बहादुर पाण्डेय क्लासिकल पब्लिशिंग हा०, दिल्ली
19. शशिवृता विवाह : सौंदर्य और समीक्षा डॉ० जंग बहादुर पाण्डेय राजकमल प्रकाशन, पटना
20. चंदवरदाई कृत पृथ्वीराज रासो सं. डॉ० दिलीप राम नोवेल्टी एण्ड कम्पनी, पटना

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (सातवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न पत्र(एक) : साहित्य एवं सिनेमा

प्रथम इकाई: साहित्य और सिनेमा का अंर्तसम्बन्ध : हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास, हिंदीसिनेमाके विविध आयाम, सिनेमा और साहित्य में अन्तर तथा पारस्परिक सम्बन्ध, हिंदी सिनेमा के विकास मेंहिंदी के साहित्यकारों का योगदान, हिंदी सिनेमा और साहित्य के अन्तः-सम्बन्धों कीपरम्परा, हिंदी कीलोकप्रियता में हिंदी सिनेमा का योगदान ।

द्वितीय इकाई:साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन। तीसरी कसम, पिंजर,देवदास, गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, रजनीगंधा और सारा आकाश ।

तृतीय इकाई:साहित्यिक कृतियों पर बने दूरदर्शन धारावाहिकों का समीक्षात्मक अध्ययन। चन्द्रकान्ता,तमस, निर्मला

चतुर्थ इकाई:फिल्मों के गीत : फिल्मी गीतों एवं साहित्यिक गीतों में अन्तर, हिंदी के साहित्यिकगीतोंका हिंदी फिल्मों पर प्रभाव, फिल्मी गीत और हिंदी उर्दू भाषा, लोकगीतों का फिल्मी गीतों तथाफिल्मी गीतों का लोकगीतों पर प्रभाव, फिल्मी गीतों की लोकप्रियता, हिंदी फिल्मी गीतों के रचयिताप्रमुखकवि

पंचम इकाई: कथा एवं पटकथा पटकथा अर्थ एवं आयाम, पटकथा का स्वरूप तथा लेखन कला,कथा के पटकथा में रूपान्तरण की कला, पटकथा एवं संवाद लेखन, साहित्य एवं सिनेमा की भाषा मेंअन्तर, प्रमुख पटकथा लेखक (हिंदी साहित्यकार) ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रेशमी खबरों की धूप छाँह - प्रहलाद अग्रवाल
2. साहित्य और सिनेमा में अंतस्सबंध - नीरा जलछत्री
3. फिल्म का सौंदर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा कमला प्रसाद
4. समकालीन फिल्मों के आइने में समाज - सत्यदेव त्रिपाठी
5. सिनेमा के बारे में - जावेद अख्तर
6. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र - जवरीमल्ल पारख
7. सिनेमा समाज साहित्यहूबनाथ
8. सिनेमा और साहित्य : एक मूल्यांकन - डॉ० अजीत कुमार दास
9. पटकथा लेखन असगर वजाहत

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (सातवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न पत्र (दो) : गीत एवं ग़ज़ल

प्रथम इकाई:हिंदी गीत की पृष्ठभूमि और विकास।

द्वितीय इकाई: हिंदी ग़ज़ल की पृष्ठभूमि और विकास।

तृतीय इकाई: हिंदी गीत/गजल का व्याकरण ।

चतुर्थ इकाई:हरिवंश राय बच्चन (क्या करूँ संवेदना लेकर, अंधेरी रात पर दीवा जलाना)उमाकांत मालवीय (गुजर गया एक और दिन, राम स्मरण का गीत, कभी कभी बहुत भलालगता है) महेश्वर तिवारी (सोये हैं पेड़, आओ हम धूप वृक्ष काटें, बहुत दिनों के बाद, फागुनका रथ) ।

पंचम इकाई: दुश्यन्त कुमारसाएँ में धूप (आरम्भिक 10 ग़ज़लें), अदम गोंडवी-समय सेमुठभेड़ (आरम्भिक 10 ग़ज़लें), वशिष्ठ अनूप गर्म रोटी के उपर नमक तेल था, (आरम्भिक10 ग़ज़लें) ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी ग़ज़ल उद्भव और विकाश- डॉ रोहिताश्व अस्थाना
2. हिंदी ग़ज़ल डॉ रोहिताश्व अस्थाना
3. ग़ज़ल का व्याकरण डॉ. कुँवर बेचैन
4.ग़ज़ल की बावत - दीनस केशरी
5. कोई आवाज देता है - कुँवर बेचैन
6. हिंदी ग़ज़ल की अवधारणा जहीर कुरैशी
7. हिंदी ग़ज़ल सरोकार चुनौतिया और सम्भावनाएं - कमलेश भट्ट कमल
8. हिंदी गजल : दशा और दिशा डॉ नरेश
9. समकालीन हिंदी ग़ज़ल एक अध्ययन - हरे राम समीप
10. हिंदी ग़ज़ल का स्वरूप और महत्वपूर्ण हस्ताक्षर - वशिष्ठ अनूप
11. आधुनिक गितीकाव्य का शिल्प विधान - डॉ. मंजु गुप्ता
12. आधुनिक हिन्दी गीतिकाव्य का स्वरूप और विकाश - डॉ आशाकिशोर
13. आधुनिक हिन्दी गीतिकाव्य विषय और शिल्प - डॉ. जीवप्रकाश जोशी
14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गीतिकाव्य का शिल्पविधान डॉ रामसिंह

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (सातवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

छठा प्रश्न पत्र : परियोजना कार्य

एकांकी , नुक्कड़ नाटक , लोकगीत में से किसी एक पर या समूह में परियोजना

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (आठवा सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (द्वितिय सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र : रीतिकालीन काव्य

प्रथम इकाई:केशवदास-स्वर्ण मंजूषा (रामचंद्रिका) छंद संख्या 1-19 तक सं0 नलिन विलोचनशर्मा, केसरी कुमार, मोतीलांल बनारसीदास ।

द्वितीय इकाई:बिहारीलाल बिहारी- रत्नाकर (सम्पादक जगन्नाथ रत्नाकर) आरम्भिक 25 दोहे ।

तृतीय इकाई: भूषण-'स्वर्ण मंजूषा- छंद संख्या 1,5,6,7,14, 16, 17, 19 और 20

चतुर्थ इकाई: घनानंदस्वर्ण मंजूषा- सम्पूर्ण ।

पंचम इकाई: मतिराम-स्वर्ण मंजूषा - सम्पूर्ण ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. स्वर्ण मंजूषा सं0 नलिन वि० शर्मा, केसरी कुमार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. केशव और उनका साहित्य डॉ० विजयपाल सिंह नेशनल पब्लिशिगं हाउस दिल्ली
3. केशव का आचार्यत्व डॉ० विजयपाल सिंह नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
4. बिहारी सतसई (संजीवनी-भाष्य) पं० पद्मसिंह शर्मा चाँदपुर विजनौर, उत्तरप्रदेश
5. बिहारी रत्नाकर श्री जगन्नाथदास रत्नाकर लोकभारती, इलाहाबाद
6. बिहारी विश्वनाथ प्रसाद मिश्र संजय बुक सैंटर, वाराणसी
7. बिहारी सतसई रामवृक्ष बेनीपुरी पुस्तक भडार, पटना
8. बिहारी का नया मूल्यांकन डॉ० बच्चन सिंह लोकभारती, इलाहाबाद
9. बिहारी और घनानंद डॉ० परमलाल गुप्त लोकभारती, इलाहाबाद
10. घनानंद का काव्य डॉ० रामदेव शुक्ल लोकभारती, इलाहाबाद
11. भूषण ग्रंथावली आ० विश्वनाथप्रसाद मिश्र लोकभारती, इलाहाबाद
12. भूषण राममल बोरा लोकभारती, इलाहाबाद
13. महाकवि भूषण और उनका काव्य डॉ० अवधेश कुमार सिंह विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली
14. रीतिकाव्य की भूमिका डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
15. हिंदी के रीतिग्रंथों का काव्यशास्त्रीय विवेचन डॉ० रामनाथ मेहता नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
16. मतिराम ग्रंथावली पं० कृष्ण बिहारी मिश्र गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
17. देव और बिहारी पं० कृष्ण बिहारी मिश्र गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
18. हिंदी नवरत्न मिश्रबंधु गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
19. बिहारी और देव लाला भगवान दीन गंगा पुस्तक माला, लखनऊ

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (आठवा सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (द्वितिय सेमेस्टर)

द्वितिय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत एवं साहित्यालोचन

प्रथम इकाई:काव्य-लक्षण, काव्य-प्रयोजन, काव्य-हेतु एवं शब्द शक्ति ।

द्वितीय इकाई:रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस के अवयव (अंग), रस निष्पति, साधारणीकरण ।अलंकार सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएं।

तृतीय इकाई: रीति सिद्धांत : रीति शब्द की व्युत्पति, रीति के भेद एवं परिभाषा। ध्वनि सिद्धांत :ध्वनि

का स्वरूप और ध्वनि काव्य का वर्गीकरण ।

चतुर्थ इकाई: औचित्य संप्रदाय औचित्य का स्वरूप, औचित्य के भेद । वक्रोक्ति की अवधारणा,वक्रोक्ति के भेद व स्वरूप ।

पंचम इकाई: प्रमुख बीज शब्द : अनुभूति, कल्पना, भाववाद, मानवतावाद, आलोचनात्मक यथार्थवाद,अति यथार्थवाद, विलगाव और व्यर्थताबोध ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. साहित्यालोचन डॉ० श्यामसुंदरदास इण्डियन प्रेस, वाराणसी
2. रस-मीमांसा आ० रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग, हा० दिल्ली
4. भारतीय काव्य शास्त्र की परपंरा भाग-1,2 डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग, हा० दिल्ली
5. रस- सिद्धांत डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग, हा० दिल्ली
6. सिद्धांत और अध्ययन डॉ० गुलाब राय आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
7. काव्यशास्त्र डॉ० भगीरथ मिश्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र डॉ० कृष्णदेव शर्मा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. आ० एवं पा० काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना डॉ० रामचन्द्र तिवारी संजय बुक सेंटर, वाराणसी
11. आ० एवं पा० काव्यशास्त्र का तुल० अध्ययन डॉ० बच्चन सिंह हरियाणा सा० अकादमी, चंडीगढ़
12. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द बच्चन सिंह

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (आठवा सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (द्वितिय सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य निबंध एवं नाटक

प्रथम इकाई:निबंध-कवि और कविता-महावीर प्रसाद द्विवेदी, कविता क्या है- आचार्य रामचन्द्रशुक्ल, नाखून क्यों बढ़ते हैं- हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

द्वितीय इकाई:निबंध-मेरे राम का मुकुट भीग रहा है विद्यानिवास मिश्र, नयी संस्कृति की ओर - रामवृक्ष बेनीपुरी, लंका विजय के बाद- हरिशंकर परसाई ।

तृतीय इकाई: नाटक-अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ।

चतुर्थ इकाई: नाटक-चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद।

पंचम इकाई: नाटक -आधे अधूरे - मोहन राकेश ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिंदी नाटक : उदभव और विकास डॉ० दशरथ ओझा राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
2. आधे अधूरे : संवेदना और शिल्प डॉ० सिद्धनाथ कुमार अनुपम प्रकाशन, पटना-4
3. अंधेर नगरी : संवेदना और शिल्प डॉ० सिद्धनाथ कुमार अनुपम प्रकाशन, पटना-4
4. चन्द्रगुप्त : एक मूल्यांकन राजनाथ शर्मा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
5. आधे-अधूरे मोहन राकेश राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी एकांकी : उदभव और विकास डॉ. रामचरण महेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हा०, दिल्ली

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (आठवा सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (द्वितिय सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य छायावाद तक

प्रथम इकाई: मैथिलीशरण गुप्त- **साकेत** (नवम् सर्ग)।

द्वितीय इकाई:जयशंकर प्रसाद **कामायनी** (श्रद्धा सर्ग)।

तृतीय इकाई:सूर्यकान्त त्रिपाठी **'निराला'**- राम की शक्ति पूजा ।

चतुर्थ इकाई:महादेवी वर्मा -प्रिय । सान्ध्य गगन, शून्य मन्दिर में बनूंगी, शलभ मैं शापमय वर हूँ!, मैंनीर भरी दुःख की बदली!, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो! ।

पंचम इकाई: सुमित्रानंदन पंत-परिवर्तन ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. छायावाद डॉ० नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कविता के नये प्रतिमान डॉ० नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कामायनी एक पुनर्मूल्यांकन डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती, इलाहाबाद
4. कामायनी एक पुनर्विचार मुक्तिबोध राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. निराला की साहित्य साधना 1-3 भाग डॉ० रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. राम की शक्ति पूजा डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हा०, दिल्ली
7. छन्द छन्द पर कुड़कुम वागीश शुक्ल प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. महादेवी वर्मा शचीरानी गुर्टू नेशनल पब्लिशिंग हा०, दिल्ली
9. नागार्जुन डॉ0 प्रभाकर माचवे लोकभारती प्रकाशन. इलाहाबाद
10. असाध्य वीणा की साधना (मूल्यांकन और पाठ) प्रो० वशिष्ठ अनूप विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

बी०ए० चतुर्थ वर्ष (आठवा सेमेस्टर)/ एम० ए०प्रथम वर्ष (द्वितिय सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न पत्र : परियोजना कार्य

किसी पुस्तक की समीक्षा

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पाँचवा वर्ष(नौवां सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं प्रमुख वाद

प्रथम इकाई: प्लेटो-अनुकरण सिद्धांत, अरस्तू - अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत

द्वितीय इकाई: लॉन्जाइनस- उदात सिद्धांत, आई. ए. रिचर्ड्स - सम्प्रेषण सिद्धान्त

तृतीय इकाई: टी. एस इलियट-निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद

चतुर्थ इकाई: कालरिज - कल्पना और फेन्टेसी सिद्धान्त, वर्ड्सवर्थ - काव्यभाषा सिद्धान्त

पंचम इकाई:द्वन्दवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, विखंडनवाद, यथार्थवाद, बिंबवाद,आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद

अनुशंसित ग्रंथ :

1. मुक्तिबोध की कविताएँ: नन्द किशोर नवल
2. मुक्तिबोध : सम्पादक डॉ० विश्वनाथ तिवारी
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना डॉ० रामचन्द्र तिवारी
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन डॉ० बच्चन सिंह
6. टी. एस. इलियट और क्लासिक डॉ० पूर्णमासी राय
7. भारतीय काव्य चिंतन एवं पाश्चात्य काव्य चिंतन डॉ० शोभाकान्त मिश्र
8. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द डॉ बच्चन सिंह
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र देवेन्द्र नाथ शर्मा
10. नई समीक्षा के प्रतिमान निर्मला जैन
11. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्यकाव्यशास्त्र गोपिचन्द नारंग
12. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन निर्मला जैन

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पाँचवा वर्ष(नौवां सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

द्वितिय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य: उपन्यास एवं कहानी

प्रथम इकाई: उपन्यास -गोदान -प्रेमचंद

द्वितीय इकाई: उपन्यास-मैला आंचल -फणीश्वरनाथ रेणु

तृतीय इकाई: उपन्यास -रागदरबारीश्रीलाल शुक्ल

चतुर्थ इकाई: कहानी एक टोकरी भर मिट्टीमाधवराव सप्रे, उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा'गुलेरी', कफन -प्रेमचंद, आकाशदीपजयशंकर प्रसाद

पंचम इकाई: कहानी तीसरी कसमफणीश्वरनाथ रेणु, अपराध -संजीव, वापसी-उषा प्रियंवदा,बाबू जी - मिथिलेश्वर

अनुशंसित ग्रंथ :

1. गोदान नया परिप्रेक्ष्य डॉ० गोपाल राय अनुपम प्रकाशन, पटना
2. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्पविधान कमल किशोर गोयनका सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रेमचन्द और उनका युग डॉ० रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन दिल्ली
4. रागदरबारी पुनर्मूल्यांकन सं० बालेन्दुशेखर तिवारी एजुकेशनल बुक सर्विस, दिल्ली
5. आंचलिक हिंदी कथा साहित्य में रेणु की देन डॉ० राजकुमारी खड़िया गुड बुक्स, बगे सराय
6. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया डॉ देवेश ठाकुर वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी कहानी का विकास डॉ० मधुरेश सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी कहानी के सौ वर्ष डॉ० दीनानाथ सिंह मीनाक्षी प्रकाशन
9. कहानी नयी कहानी डॉ० नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. कहानी स्वरूप और संवेदना राजेन्द्र यादव नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पाँचवा वर्ष(नौवां सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य : छायावादोत्तर काव्य

प्रथम इकाई:रामधारी सिंह 'दिनकर'-कुरुक्षेत्र का छठा सर्ग ।

द्वितिय इकाई:सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' -कलगी बाजरे कीअसाध्य वीणा ।

तृतीय इकाई:गजानन माधव मुक्तिबोध' - अंधेरे में।

चतुर्थ इकाई: नागार्जुन-अकाल और उसके बाद, मास्टर जी, कालिदास ।

पंचम इकाई: धूमिल-रोटी और संसद, मोचीराम, अकालदर्शन ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. मुक्तिबोध की कविताएँ : नन्द किशोर नवल
2. मुक्तिबोध: सम्पादक डॉ० विश्वनाथ तिवारी
3. नागार्जुन डॉ0 प्रभाकर माचवे लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. सर्वेश्वर की कविता डॉ० कपिलदेव पाण्डेय प्रिय साहित्य सदन, दिल्ली
5. असाध्य वीणा की साधना (मूल्यांकन और पाठ) प्रो० वशिष्ठ अनूप विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पॅन्चातर वर्ष(नौवां सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

प्रथम इकाई: हिन्दी आलोचना का विकास एवं स्वरूप ।

द्वितीय इकाई: हिंदी आलोचना-सैद्धांतिक (शास्त्रीय) आलोचना, स्वच्छन्दतावादी आलोचना,मनोविश्लेषणवादी आलोचना,मार्क्सवादी आलोचना,नई समीक्षा ।

तृतीय इकाई:आलोचक-आचार्य रामचंद्र शुक्ल,आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

चतुर्थ इकाई:आलोचक- नंददुलारे वाजपेयी,डॉ. रामविलास शर्मा।

पंचम इकाई: आलोचक - डॉ. नगेन्द्र,डॉ. नामवर सिंह ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य की भूमिका-रामविलास शर्मा
2. रामचंद्रशुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा
3. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य - इंद्र नाथ चौधरी
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना - डॉ रामचन्द्र तिवारी
5. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द -डॉ बच्चन सिंह
6. हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास - भगवतस्वरूप मिश्र
7. हिंदी आलोचना : बीसवीं शताब्दी - निर्मला जैन
8. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं० डॉ नगेन्द्र,डॉ हरदयाल
9. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पाँचवा वर्ष(नौवां सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न पत्र : परियोजना कार्य

पटकथा लेखन , सम्पादकीय लेखन , साक्षात्कार लेखन में से किसी एक पर परियोजना

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पाँचवा वर्ष(दसवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र : शोध प्राविधि

प्रथम इकाई: शोध : परिआषा स्वरूप, प्रकार एवं पद्धतियाँ हिन्दी शोध का इतिहासविषय का चयन, विषय निर्धारण: संकल्पना एवं

द्वितीय इकाई: शोध / अनुसंधान की प्रक्रियामहत्व, शोध की समस्या, शोध की रूपरेखा, सामग्री संकलन एवं स्रोत (प्रकाशित एवं अप्रकाशित), पुस्तकालय, कम्प्यूटर, इंटरनेट, वेबसाइड, फील्ड वर्क, कार्ड, साक्षात्कार,प्रश्नावली, सामग्री काविवेचन-विश्लेषण

तृतीय इकाई: साहित्यिक शोध के सिद्धांत, साहित्यिक शोध एवं वैज्ञानिक शोध में अंतर

चतुर्थ इकाई: शोधार्थी के गुण, शोध प्रस्तुतीकरण तंत्र, शोध और समीक्षा का अंतराल

पंचम इकाई:शोध समस्या एवं समाधान, वर्तमान शोध की दशा एवं दिशा, शोध दिशा एवं दृष्टि

अनुशंसित ग्रंथ :

1. शोध प्रविधि डॉ० विनय मोहन शर्मा नेशनल पब्लिशिंग हा०,दिल्ली
2. अनुसंधान और आलोचना डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हा०. दिल्ली
3. साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान डॉ० देवराज़ उपाध्याय, डॉ० रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' राजपाल एंड सन्स,दिल्ली
4. शोध प्रविधि डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा हरियाणा सा० अकादमी, चंडीगण
5. शोध प्रविधि और प्रक्रिया हरीश अरोडा के० के० पब्लिकेशन, दिल्ली
6. अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया डॉ० एस. एन. गणेशन लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. अनुसंधान का विवेचन डॉ० उदय भानु सिंह हिंदी साहित्य संसार, दिल्ली
8. अनुसंधान के तत्व विश्वनाथ प्रसाद मिश्र वाणी वितान, वाराणासी
9. साहित्यिक अनुसंधान के आयाम डॉ० रवीन्द्र कुमार जैन द० भारत हिं० प्रचारसभा चेन्नई
10. अनुसंधान की प्रक्रिया सं० डॉ० सावित्री सिन्हा, डॉ० विजेन्द्र स्नातक नेशनल पब्लिशिंग हा०, दिल्ली

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पँचवा वर्ष(दसवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

द्वितिय प्रश्न पत्र : भारतीय साहित्य

प्रथम इकाई:भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ,भारतीय साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय साहित्य में मूल्य चेतना

द्वितीय इकाई: उपन्यास -अग्निगर्भ-महाश्वेता देवी बंगला

तृतीय इकाई:नाटक-घासीराम कोतवाल : विजय तेन्दुलकर मराठी

चतुर्थ इकाई: भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय

1. संस्कृत-रामायण, महाभारत
2. उर्दू - फिराक गोरखपुरी, मिर्जा गालिब, कसीदा, गजल, मसनवी, शेर, अनारकली, लैला
3. पंजाबी अमृता प्रीतम, गुरु अर्जुनदेव, आदिग्रन्थ
4. बंगला-चर्यापद, मंगलकाव्य, बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय, शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय, रवीन्द्र नाथटैगोर
5. तमिल - तमिल का संगम साहित्य, कंब रामायण का संक्षिप्त परिचय
6. गुजराती - नरसिंह मेहता, काका कालेलकर
7. असमिया - शंकरदेव, असमिया का बुरंजी साहित्य
8. मराठी-मराठी भाषा के पवाडे, नामदेव
9. मलयालम-मणिप्रवाल शैली

पंचम इकाई: लोक साहित्य, भरतनाट्यम, कथकली, लोकनृत्य आदि

अनुशंसित ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आ० बलदेव उपाध्याय शारदा मंदिर, काशी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ० वचनदेव कुमार एवं डॉ जंगबहादुर पाण्डेय नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
3. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास प्रो० एहतेशाम हुसैन लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. उर्दू भाषा और साहित्य डॉ० फिराक गोरखपुरी उ० प्रदेश हिन्दी सं० लखनऊ
5. भारतीय साहित्य की भूमिका डॉ० रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ डॉ० रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास डॉ० नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली
8. बंगला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास डॉ०सत्येन्द्र हिन्दी समिति, लखनऊ
9. उर्दू साहित्य का इतिहास डॉ० सभापति मिश्र जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पाँचवा वर्ष(दसवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

तृतीय प्रश्न पत्र : तुलसीदास:रामचरित मानस

प्रथम इकाई:कवि तुलसीदास ।

द्वितीय इकाई:बालकाण्ड ।

तृतीय इकाई: अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड ।

चतुर्थ इकाई: किष्किन्धाकाण्ड, सुन्दरकाण्ड ।

पंचम इकाई:लंकाकाण्ड, उत्तरकाण्ड ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रामचरितमानस - गीताप्रेस गोरखपुर टीकाकार हनुमान प्रसाद पोद्दार
2. तुलसी विमर्श - संपादक, डॉ राजदेव मिश्र एवं डॉ सूर्यप्रसाद दीक्षित
3. तुलसीदास काव्य-मीमांशा डॉ उदयभानु सिंह
4. तुलसीदास-संपादक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. तुलसीदास संदर्भ - डॉ नगेंद्र
6. गोस्वामी तुलसीदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
7. तुलसीदास का मानस-डॉ तुलसीराम शर्मा
8. तुलसीदास चिंतन और कला-संपादक डॉ इन्द्रनाथ मदान
9. तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन-डॉ देवेन्द्रनाथ शर्मा

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यलय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पाँचवा वर्ष(दसवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

चतुर्थ प्रश्न पत्र : अस्मिता मूलक विमर्श और हिन्दी का रचनात्मक साहित्य

प्रथम इकाई:हिंदी कथा साहित्य में स्त्री विमर्श

द्वितीय इकाई:हिंदी कथा साहित्य में दलित विमर्श

तृतीय इकाई: हिंदी कथा साहित्य में आदिवासी विमर्श

चतुर्थ इकाई:अन्या से अनन्या-प्रभा खेतान, जूठन (उपन्यास) ओम प्रकाश बाल्मीकि

पंचम इकाई: पलाश के फूल (उपन्यास)-पीटर पाल इक्का, ग्लोबल गाँव के देवता - रणेन्द्र

अनुशंसित ग्रंथ :

1.राधा कुमार स्त्री संघर्ष का इतिहास

2. उपनिवेश में स्त्री प्रभा खेतान

3. स्त्री : उपेक्षिता सीमोन द बोउवार

4. एशिया का सेक्स बाजार लुइज़ ब्राउन

5. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र ओमप्रकाश बाल्मीकि

6. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र शरण कुमार लिम्बाले

7. दलित विमर्श की भूमिका कंवल भारती

8. काली सुर्खिया सं० राजेन्द्र यादव

9. साहित्य में दलित एवं स्त्री चमन लाल

10. आदिवासी और हिंदी उपन्यास (अस्मिता और अस्तित्व का संघर्ष) गंगा सहाय मीणा

11. आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन वंदना टेटे

12. आदिवासी कौन सं० रमणिका गुप्ता

13. अस्मिता हीं नहीं, अस्तित्व का सवाल हरिराम मीणा

14. आदिवासी कहानी साहित्य और विमर्श सं० खन्नाप्रसाद अमीन

15. आदिवासी केन्द्रित हिन्दी साहित्य डॉ सतीश पाण्डेय व डॉ उषा कृति रणावत

16. समकालिन जनमत (पत्रिका) आदिवासी विशेषांक

17. इस्पातिका (पत्रिका) आदिवासी विशेषांक

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय , अयोध्या

पाठ्यक्रम: बी०ए० चतुर्थ एवं पंचम वर्ष / एम०ए० हिन्दी (भाषा एवं साहित्य)

पाँचवा वर्ष(दसवाँ सेमेस्टर)/ एम० ए० द्वितिय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

पंचम प्रश्न पत्र : लघुशोध प्रबंध

शोध परियोजना का मूल्यांकन निम्नलिखित बिन्दुओं के आलोक में होगा-

1. विषय चयन के लिए प्रेरणा
2. पद्धति और सामग्री चयन / संकलन
3 सकल्पना एवं महत्व
4. भविष्य के लिए उपयोगिता एवं प्रासंगिकता
5. लघुशोध-प्रबंध न्यूनतम 50 टंकित पृष्ठों में अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य एवं भाषा से संबंधित किसी विषय पर लघुशोध प्रबंध ।

प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग
डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

दिनांक : 12.02.2024

फुलसधिय,

आपके द्वारा भेजे गये पत्रांक संख्या : लो.अ.वि./कु.स.का./2024-1310, दिनांक : 06.02.2024 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके अंतर्गत आवासीय परिसर में संचालित प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा पाठ्यक्रम में मूल्य वर्धित प्रमाण पत्र (Value Added Certificate) पाठ्यक्रम को प्रारूप अनुसार प्रेषित किया गया है :

NAME OF CERTIFICATE : "Swachh Bharat"

COURSE OBJECTIVE :

1. To understand the development challenges with reference to sanitation infrastructure and practices.
2. To build values of cleanliness, hygiene and waste management in diverse socio-economic contexts.
3. To understand planning of social policy and programmes.
4. To use waste management techniques at community level.
5. To install a sense off service towards society and the nation.

COURSE CONTENT :

Credit : 02 (Lecture - 01 + Practical - 01)

Unit	Title	No. of Lectures
Unit-1	Introduction to Swachh Bharat Abhiyan : Gandhian philosophy of cleanliness, Swachh Bharat Abhiyan (SBA), Hygiene, Sanitation & Sustainable Waste Management, Agencies and nodal Ministers of SBA, Different phases of SBA and it's evaluation, Citizen's responsibilities : Role of Swachhagrahhi	8
Unit-2	Swachh Bharat - Rural Facets : Indicators of Swachh Bharat, Rural - Sanitation coverage across households (2014 vs 2022), Open Defecation Free (ODF) villages, Parameters.	7
Unit-3	Swachh Bharat - Urban Facets - Sustainable Sanitation, Waste/ Water and Solid waste management, Garbage free Cities.	8
Unit-4	Attitudes and Perceptions, Operational and Financial Issues, Monitoring and Supervision, Community mobilization.	7

REGULATIONS / ORDINANCE OF SUGGESTED COURSE :

1. **Eligibility of Admission :** Student of any stream who has passed Intermediate examination.
2. **Pattern of Examination :** There will be a practical/Viva-voce and written examination at the end of the value added course.
3. **Fees Structure :** 500/- rs. (For all students)
4. **Infrastructure :** In order to run this course effective by the following minimum facilities must be arranged : 1. Teaching / Lecture Room : 01, Seminar Room : 01, Head's Chamber : 01, Faculty Chambers : 01, Multimedia Projectors : 01, Computer : 01, Table & Chairs : as per requirement,
5. **Pass Percentage and Promotion System :** As per University Rules
6. **Assessment of students & Scheme of Examination :**
7. (I) Students will be allowed to answer the questions of examination either in English or Hindi or both languages, (ii) Examination shall be conducted at the end of the each course, (iii) Assessment of the performance of the students shall be based on the 75:25 criteria. 75 marks for the written examination and 25 for practical assessment.
8. **Assignments :** 1 assignment.
9. **Faculty Requirements :** To run the course effectively and imparting education and training to keep pace with the time requirement of 1 Faculty along with ministerial support staff.
10. **Additional Academic Requirements :**

(i) Invited lectures by prominent professors academicians and professionals experts to be arranged for the academic betterment of the students.

(ii) Symposium / Seminars / Conferences to be organized for the exposure of the students to the current academic activities and research programmes.

SUGGESTED READINGS :

A. https://swachhbharatmission.gov.in/SBMCMS/writereaddata/Portal/Images/pdf/brochu re/Greywatermanagement.pdf
B. https://swachhbharatmission.gov.in/SBMCMS/writereaddata/Portal/Images/pdf/brochu re/PWMB5_28th_June.pdf
C. GoI (2020). Swachh Bharat Mission (Grameen) Phase 2: Operational guidelines. Department of Drinking Water and Sanitation, Ministry of Jalshakti.
D. MoHUA (2017). Guidelines for Swachh Bharat Mission - Urban (PDF). Ministry of Housing and Urban Affairs, Government of India.

Dr. Surendra Mishra
Head of Department
Head
Dept of - Adult & Continuing Education
Dr. R.L.A. University, Ayodhya